No. of Printed Pages : 3 **BSKC–105**

# बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

# (बी. ए. एस. के. एच.)

# सत्रांत परीक्षा

# जून, 2025

## बी.एस.के.सी.–105 : लौकिक संस्कृत साहित्य (नाटक)

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। तीनों खण्ड करने अनिवार्य हैं।*

---

### खण्ड—क

### (व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : 10×3=30

(क) शत्रुघ्नलक्ष्मणगृहीतघटेऽभिषेके
छत्रे स्वयं नृपतिना रुदता गृहीते।
सम्भ्रान्तया किमपि मन्थरया च कर्णे
राज्ञः शनैरभिहितं च न चास्मि राजा।।

(ख) हृदय! भव सकामं यत्कृते शङ्कसे त्वं
श्रृणु पितृनिधनं तद् गच्छ धैर्यं च तावत्।
स्पृशति तु यदि नीचो मामयं शुल्कशब्द–
स्त्वथ च भवति सत्यं तत्र देहो विशोध्यः॥

(ग) अर्थो हि कन्या परकीय एव
तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं
प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

(घ) समुत्खाता नन्दा नव हृदयशल्या इव भुवः
कृता मौर्ये लक्ष्मीः सरसि नलिनीव स्थिरपदा।
द्वयोः सारं तुल्यं द्वितयमभियुक्तेन मनसा
फलं कोपप्रीत्योर्द्विषति च विभक्तं सुहृदि च।।

## खण्ड—ख

## (लघु उत्तरीय प्रश्न)

2. नाटक एवं प्रकरण में क्या अन्तर है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 5

3. हर्ष के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 5

4. 'काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला' इस उक्ति का सविस्तार विवेचन कीजिए। 5

5. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक की ऐतिहासिकता को विस्तार से समझाइए। 5

6. 'प्रतिमानाटकम्' के आधार पर भरत का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

## खण्ड—ग

### (दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

7. संस्कृत नाट्य-साहित्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 10

8. 'मुद्राराक्षसम्' नाटक की कथावस्तु का सविस्तार विवेचन कीजिए। 10

9. 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' के चतुर्थ अङ्क के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 10

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 3×5=15

(क) नायिका

(ख) प्रस्तावना

(ग) विष्कम्भक

(घ) कथानक

× × × × ×